यह महान प्रार्थना का प्रथम शब्द 'हमारे' है, मेरे नहि है ।
यह बात समजाती है की, प्रार्थनामे स्वार्थ नहि होना चाहिए ।

दूसरा शब्द पिता हे किन्तु आप अब्बा, सृष्टीकर्ता
और पवित्र परमेश्वरभी कह शकते हो ।
आप जीस तरह से बुलाओ, परमेश्वर प्रेम है ।